

खिलता है, इसकी शाखाएँ तथा कांड काँटेदार होते हैं, इसे संस्कृत में पारिभद्र, मंदार, निम्बतरु, पारिजात आदि नामों से जाना जाता है।

फरहना अ.क्रि. (देश.) 1. फर-फर करना 2. फड़फड़ाना 2. फड़क उठना, फड़कना 4. हिलना, हिल जाना।

फरहरा पुं. (देश.) ध्वजा, पताका, झंडा वि. प्रसन्न, प्रफुल्ल।

फरहरी स्त्री. (तद्.) 1. फल-फूल 2. फलाहार, फलों का आहार 3. व्रत-उपवास में खाने योग्य पदार्थ।

फराक पुं. (फा.) मैदान, खुला भू भाग वि. 1. विस्तृत, लंबा-चौड़ा, विशाल 2. अलग, स्त्री, महिलाओं एवं बच्चों का एक परिधान/पहनावा।

फराकत वि. (तत्.) विशाल एवं समतल पु. दे. फरागत।

फराख वि. (फा.) विशाल, विस्तृत, लंबा-चौड़ा।

फराखी स्त्री. (फा.) 1. विशालता, विस्तार 2. आद्यता, संपन्नता।

फरागत स्त्री. (अर.) 1. मुक्ति, छुट्टी, छुटकारा 2. निश्चिंतता, बेफिक्री 3. मलत्याग।

फराज वि. (फा.) ऊँचा।

फराना स.क्रि. (तद्.) फलाना, फलना का प्रेरणार्थक रूप, किसी को फलने में प्रवृत्त करना।

फरामोश वि. (फा.) विस्मृत कर देने वाला, भूल जाने वाला, भुला देने वाला।

फरामोशी स्त्री. (फा.) 1. विस्मृति 2. उपेक्षा।

फरार वि. (अर.) भागा हुआ।

फरारी स्त्री. (अर.) भागने की क्रिया अथवा भाव, (पुलिस से बचकर) भागने की स्थिति पुं. भगोड़ा वि. क्षणभंगुर, अस्थायी।

फरालना स.क्रि. (देश.) फैलाना, पसारना।

फरास पुं. (अर.) (फर्राश) 1. वह सेवक जिसका कार्य डेरा गाड़ना, फर्श-बिछाना तथा दीपक जलाना आदि होता है 2. नौकर, खिदमतगार।

फरासबीन स्त्री. (अं.) एक प्रकार की हरित वर्ण की पतली लंबी फली जिसमें बीजों की शृंखला होती है। इसे सब्जी के रूप में पकाकर खाया जाता है।

फरिया स्त्री. (देश.) 1. वह लहंगा जो सामने की ओर से सिला न हो 2. स्त्रियों/बालिकाओं के पहनने का वस्त्र, लहंगा या ओढ़नी।

फरियाद स्त्री. (फा.) 1. दुःख से रक्षा के लिए गुहार या पुकार 2. न्याय के लिए याचना 3. शिकायत, नालिश 4. आर्तनाद 5. विनय, प्रार्थना।

फरियादी वि. (फा.) 1. फरियाद करने वाला, दुःख से त्राण पाने के लिए पुकारने वाला 2. न्याय के लिए याचना करने वाला 3. शिकायत करने वाला 4. विनति, प्रार्थना करने वाला, प्रार्थी 5. आर्तनाद करने वाला।

फरिश्ता पुं. (फा.) 1. इस्लामी मान्यता के अनुसार ईश्वर का वह दूत जो उसकी आज्ञा के अनुसार कोई कार्य करता हो 2. देवदूत 3. सज्जन एवं सरल स्वभाव का व्यक्ति 4. सदगुण संपन्न व्यक्ति 4. परोपकारी व्यक्ति।

फरी स्त्री. (तद्.) 1. हल का फाल, कुशी 2. बैलगाड़ी का हरसा-फड़ 3. चमड़े की गोल छोटी ढाल जिससे गतके की मार रोकते हैं अ.क्रि. (देश.) फरना, फलना, फल-युक्त हुई, फलित हुई, फली स्त्री. (देश) फली जैसे- मटर की फली।

फरीक पुं. (अर.) 1. प्रतिद्वंद्वी, विरोधी, प्रतिपक्षी, विपक्षी, मुकाबला करने वाला 2. दो पक्षों में से किसी एक पक्ष का मनुष्य, वादी या प्रतिवादी।

फरुही स्त्री. (देश.) 1. छोटा फावड़ा 2. लकड़ी का एक उपकरण जिससे क्यारी बनाने के लिए खेत की मिट्टी को हटाया जाता है 3. मंथन करने का उपकरण, मधवी 4. भुने हुए चावल, मुरमुरा।

फरेंदा पुं. (तद्.) एक प्रकार का उत्तम कोटि का बड़ा और गूदेदार, स्वादिष्ट जामुन।

फरेब पुं. (फा.) धोखा, छल, कपट, जाल।